कोरोना वायरस

कोरोना वायरस क्या है?

कोरोना वायरस बहुत तेजी से फैलने वाला एक वायरस है, जो सामान्य सर्दी-जुकाम से लेकर गंभीर और घातक बीमारियों जैसे मिडल ईस्ट रेस्पाइरेट्री सिंड्रोम (MERS) और सेवल एक्युट रेस्पाइरेट्री सिंड्रोम (SARS) का कारण बनता है।

नया कोरोना वायरस क्या है?

नया कोरोना वायरस एक नए प्रकार का कोरोना वायरस है जो इस से पहले मनुष्यों में कभी नहीं पाया गया।

नया कोरोना वायरस से इंफेंशन के लक्षण क्या हैं?

- खांसी
- बुखार
- सांस लेने में परेशानी
- सांस संबंधी बिमारियाँ

क्या नया कोरोना वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में मुंतक़िल हो सकता है?

जी हां, आमतौर पर प्रभावित व्यक्ति के साथ उठने बैठने और निकट संपर्क रखने के कारण, वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में मुंतक़िल हो सकता है।

क्या नया कोरोना वायरस का टीका पाया जाता है?

नया कोरोना वायरस का टीका अभी तक उपलब्ध नहीं है।

क्या नया कोरोना वायरस का कोई इलाज पाया जाता है?

नया कोरोना वायरस का निश्चित रूप में कोई इलाज नहीं है, हाँ इसकी विभिन्न परिस्थितियों का इलाज किया जा सकता है। और यह उपचार रोगी की चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है।

नया कोरोना वायरस से छुटकारा कैसे संभव है?

- अपने हाथों को पानी और साबुन से 20 सेकंड तक अच्छी तरह धोयें।
- जिस किसी के बारे में आशंका हो कि उसे सांस की बीमारी है उसके साथ उठने बैठने से बचें।
- सुरक्षात्मक मास्क पहनने की कोशिश करें।
- जानवरों को न छुयें।
- भीड़ से दूर रहें।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए अहम दुआयें

सब से पहले मात्र ऊपर वाले अल्लाह से सम्पर्क करें, उसी से सहायता मांगें, उसी पर पूरा भरोसा रखें, वह जो चाहता है वही होता है, और जब हम बीमार पड़ते हैं तो वही हमें शिफा देता है।

हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु बयान करते हैं कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम दुआ करते हुए कहते थे:

اللهم إني أعوذ بك من البرص، والجنون، والجذام، ومن سيئ الأسقام

"हे अल्लाह, मैं बरस (शरीर में सफेद धब्बा), पागलपन, कोढ़
और सभी बुरी बीमारियों से तेरी शरण चाहता हूं।" (सुनन अबी दाऊद:1554)

हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रज़ियल्लाहु अन्हुमा बयान करते हैं कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की दुआओं में से यह भी थी कि

اللهم إني أعوذ بك من زوال نعمتك وتحول عافيتك وفجاءة نقمتك وجميع سخطك

"हे अल्लाह! मैं तेरी नेमत की समाप्ती से और स्वास्थ्य तथा दी हुई सिहत के पलट जाने से,
तेरे अचानक अज़ाब से और तेरे क्रोध वाले सब कामों से तेरी शरण चाहता हूं।"
(सही मुस्लिम:2739)

हज़रत उस्मान बिन अफ़्फान रज़ियल्लाहु अन्हु बयान करते हैं कि मैंने अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को फरमाते हुए सुना: "जिस व्यक्ति ने (शाम में) तीन बार यह दुआ पढ़ ली:

بسم الله الذي لا يضر مع اسمه شيء، في الأرض، ولا في السماء، وهو السميع العليم

"अल्लाह के नाम से शूरू करता हूं जिसके नाम की बरकत से ज़मीन और आसमान की कोई
चीज़ हानि नहीं पहुंचा सकती और वही सुनने वाला और जानने वाला है।"

तो वह सुबह तक किसी अचानक आपदा का शिकार नहीं होगा और जिसने उसे सुबह में तीन बार पढ़ लिया शाम तक किसी अचानक आपदा का शिकार नहीं होगा।"
(मुस्नद अहमद: 932, सुनन अबी दाऊद: 5088, सुनन तिर्मिज़ी: 3388)